(ख) क्या जमीन के मालिकों को उसका उचित मुआवजा नहीं दिया गया; और

(ग) क्या उपरोक्त जमीन के संबंध में कोई आपत्ति उठाई गई थी और यदि हां, तो आपत्ति उठाने वाले व्यक्तियों के नाम क्या हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री बृजलाल वर्मा) : (क) मे० मारुति लिमिटेड ने 7 जुलाई, 1975 से उत्पादन प्रारंभ होने की सूचना दी। जिन-जिन लोगों की जमीनें ली गई थीं उनके नाम, कितने एकड़ भूमि ली गई, मुआवजे का भुगतान और उठाई गई आपत्तियों आदि के बारे में अपेक्षित जानकारी का संबंध हरियाणा राज्य सरकार से है। राज्य सरकार से जानकारी मंगाई गई है और वह सभा-पटल पर रख दी जायेगी। .

(ख) तथा (ग) 30 मई, 1977 को भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई 30 मई, 1977 की अधिसूचना के द्वारा केन्द्रीय सरकार ने मारुति लिमिटेड और उससे सम्बद्ध कम्पनियों से संबंधित विभिन्न मामलों के बारे में एक जांच आयोग नियुक्त किया है। विचारार्थ विषयों में मारुति कार परियोजना को लाइसेंस देने और हरियाणा राज्य के गुड़गांव जिले में जमीन लेने अथवा आवंटन के औचित्य और वैधता संबंधी सभी मामले हैं, जिसमें जमीन के भूतपूर्व कब्जेदारों/मालिकों को बेदखल करने से संबंधित परिस्थितियों और तरीका एवम् उन्हें दिया गया अथवा देय मुआवजे की यथेष्टता भी शामिल है।

शक्ति चालित हलों का मूल्य

566. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1974-75, 1975-76 और 1976-77 में देश में कितनी कम्पनियों शक्ति चालित हलों का उत्पादन कर रही थीं और उनके नाम क्या हैं तथा उन्होंने प्रत्येक वर्ष में कितने शक्ति चालित हलों का उत्पादन किया ;

(ख) इन शक्ति चालित हलों की कीमत क्या है तथा उन पर विभिन्न करों की राशि कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने शक्ति चालित हलों की उपयोगिता और मूल्य में तालमेल की जांच की है और यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला;

(घ) क्या शक्ति चालित हल, विशेष-कर एयर कूलर टाइप हल (जैसे मित्सुबिशी बंगलौर द्वारा उत्पादित) किसानों को बहुत तंग कर रहा है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार है कि इन शक्ति चालित हलों का उत्पादन और बिक्री बन्द की जाए तथा किसानों को परेशानी से बचाया जाये ?

उद्योग मंत्री (श्री बृजलाल वर्मा) : (क) और (ख) आवश्यक जानकारी विवरण में दी गई है जो सभा पटल पर रखा गया है [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिये संख्या LT-350/77]

(ग) सरकार ने हाल ही में राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम से यह कहा है कि वह शक्ति चालित उद्योग के बारे में अध्ययन करे और इसके विविध उपयोग के लिये शक्ति चालित हलों का मूल्य कम करने, मांग पैदा करने, डिजाइन में सुधार करने आदि के बारे में उपाय सुझाए। उनकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है।

(घ) सरकार को ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता।